"जनसत्ता" में "सहकारी समितियों से जुर्माना वसूल नहीं कर पाया डेसू" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो सहकारी आवास समितियों पर दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्था की कुल कितनी राशि जुर्माने के मद में बकाया है और इस धनराशि को वसूल करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है; और

(ग) इन सभी आवास समितियों द्वारा की जाने वाली बिजली की चोरी को रोकने अथवा नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) अगस्त/सितम्बर, 1991 में दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान द्वारा मारे गए छापे के दौरान मयूर विहार और पटपड़गंज में स्थित को-ऑपरेटिव ग्रुप हाऊसिंग सोसाइटी द्वारा की जा रही बिजली की चोरी के 16 मामलों का पता लगाया गया था। 13 मामलों में बिजली की खपत/दुरूपयोग के लिए प्रभारों से संबंधित लगभग कुल मिलाकर 45 लाख रुपये की राशि के आवश्यक मूल्यांकन बिल पहले ही जारी किए जा चुके हैं। शेष 3 संबंधित सोसाईटियों के बारे में उसी प्रकार की कार्यवाही किए जाने और अपेक्षित राशि वसूल किए जाने का कार्य प्रगति पर है। विद्युत की चोरी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए डेसू ने अपने अभियान को तेज कर दिया है और इस समस्या की रोकथाम के लिए आवधिक रूप से छापे भी मारे जाते हैं। भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 के अधीन विद्युत की चोरी एक संज्ञेय अपराध है।

Cooperation with Israel in Field of Solar Energy

3002. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for co-operation with Isreal in the field of Solar Energy; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) There is no proposal in the field of Solar Energy under consideration for co-operation with Israel.

Generation of Power from TIDAL waves in Andhra Pradesh

3003. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state the steps being taken to generate power from tidal waves in East Coast of Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): The tidal ranges observed along the East Coast of Andhra Pradesh are generally of the order of 1.5 M and below. Development of tidal power from such a low tidal range is at present not considered techno-economically feasible.

As such, no site has been identified so far for putting up a tidal power project on the East Coast of Andhra Pradesh.

विद्युत उत्पादन लक्ष्य

3004. **श्री सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री रणजीत सिंह:

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1991-92 के लिए देश में विद्युत का उत्पादन लक्ष्य 3810.8 मेगावाट निर्धारित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो तापीय विद्युत क्षेत्र और पन बिजली विद्युत क्षेत्र में विद्युत उत्पादन का अलग-अलग कितना लक्ष्य निर्धारित किया गया था;

(ग) क्या यह सच है कि विद्युत उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इन दोनों क्षेत्रों में कितना-कितना कम उत्पादन हुआ है तथा उसके क्या कारण हैं?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) वर्ष 1991-92 के दौरान क्षमता संवर्धन के संबंध में अपेक्षित ब्यौरा निम्नानुसार है:—

श्रेणी	अवधि (1991-92) 1991-92 के लिए लक्ष्य	(आंकड़े मेगावाट में) फरवरी, 92 तक वास्तविक उपलब्धि
ताप-विद्युत	2586.5	1147.5
न्यूक्लीय	470.0	220.0
जल-विद्युत	754.3	165.0
जोड़	3810.8	1532.5

(घ): निर्धारित कार्यक्रम से पिछड़ने के लिए उत्तरदायी मुख्य कारण ये हैं—भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि॰ द्वारा उपस्करों की सप्लाई में विलम्ब होना, सिविल/उत्थपन कार्यों की प्रगति धीमी रहना, परियोजना हेतु अपेक्षित निवेशों की प्राप्ति में विलम्ब होना, निधियों की कमी होना और कैसा इन्फ्लों अपर्याप्त होना आदि।

देश में संयंत्र कार्यभार कारक (प्लांट लोड फैक्टर)

3005. **डा॰ जिनेन्द्र कुमार जैन:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष देश में संयंत्र कार्यभार कारक 53.8 प्रतिशत रहा है और क्या विश्व मानदण्डों के अनुसार इसे "सी" ग्रेड का माना जाता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि देश की कुछ विद्युत परियोजनाओं में संयंत्र कार्यभार कारक 70 प्रतिशत तक है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने कम संयंत्र कार्यभार वाली परियोजनाओं का पता लगाया है;

(घ) वर्ष 1991-92 में कुल चालू विद्युत परियोजनाओं में से ऐसी परियोजनाओं का प्रतिशत कितना था जिनका संयंत्र कार्यभार कारक उनकी क्षमता से 50 प्रतिशत कम था; और

(ङ) विद्युत परियोजनाओं में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं अथवा किए जाने का विचार है?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) वर्ष 1990-91 के दौरान देश में ताप विद्युत केन्द्रों का संयंत्र भार अनुपात 53.8% था। विकसित देशों की अपेक्षा यह कम ही है।

(ख) 1990-91 के दौरान देश में निम्न ताप विद्युत केन्द्रों का संयंत्र भार अनुपात 70% से अधिक रहा—

केन्द्र का नाम	संयंत्र भार अनुपात (%)
कच्छ लिग्नाइट	71.6%
भुसावल	74.2%
विजयवाड़ा	83.8%
रामागुण्डम "बी"	73.2%
रायचुर	76.3%
तूतीकोरिन	71.4%
टीटागढ़	73.9%

(ग) 1990-91 के दौरान जिन ताप विद्युत केन्द्रों का संयंत्र भार अनुपात 70% से कम रहा है इनके सम्बन्ध में केन्द्रवार ब्यौरे को दर्शाने वाला विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(घ) अप्रैल, 91-फरवरी, 1992 के दौरान देश में कुल प्रचालनाधीन ताप विद्युत केन्द्रों में से 44% केन्द्रों का संयंत्र भार अनुपात 50% से कम रहा।

(ङ) देश में विद्युत उत्पादन में सुधार किए जाने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों में विद्युत उत्पादन केन्द्रों के नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यक्रम को क्रियान्वित करना, संयंत्र सुधार कार्यक्रम को हाथ में लेने के लिए बिजली बोर्डों की सहायता करना, अपेक्षित मात्रा में कोयला सप्लाई करना, प्रचालन एवं अनुरक्षण कार्मिकों को प्रशिक्षण देना आदि शामिल हैं।

विवरण

ऐसे ताप विद्युत केन्द्र जिनका 1990-91 के दौरान 70% से कम संयंत्र भार अनुपात रहा है।

केन्द्र	संयंत्र भार अनुपात (%)
एन॰टी॰पी॰सी॰	
बदरपुर	67.2
सिंगरौली	68.5
रिहन्द	55.9
कोरबा एसटीपीएस	61.9
विन्ध्याचल	61.3